दूसरी इकाई

– *प्रयाग शुक्ल*

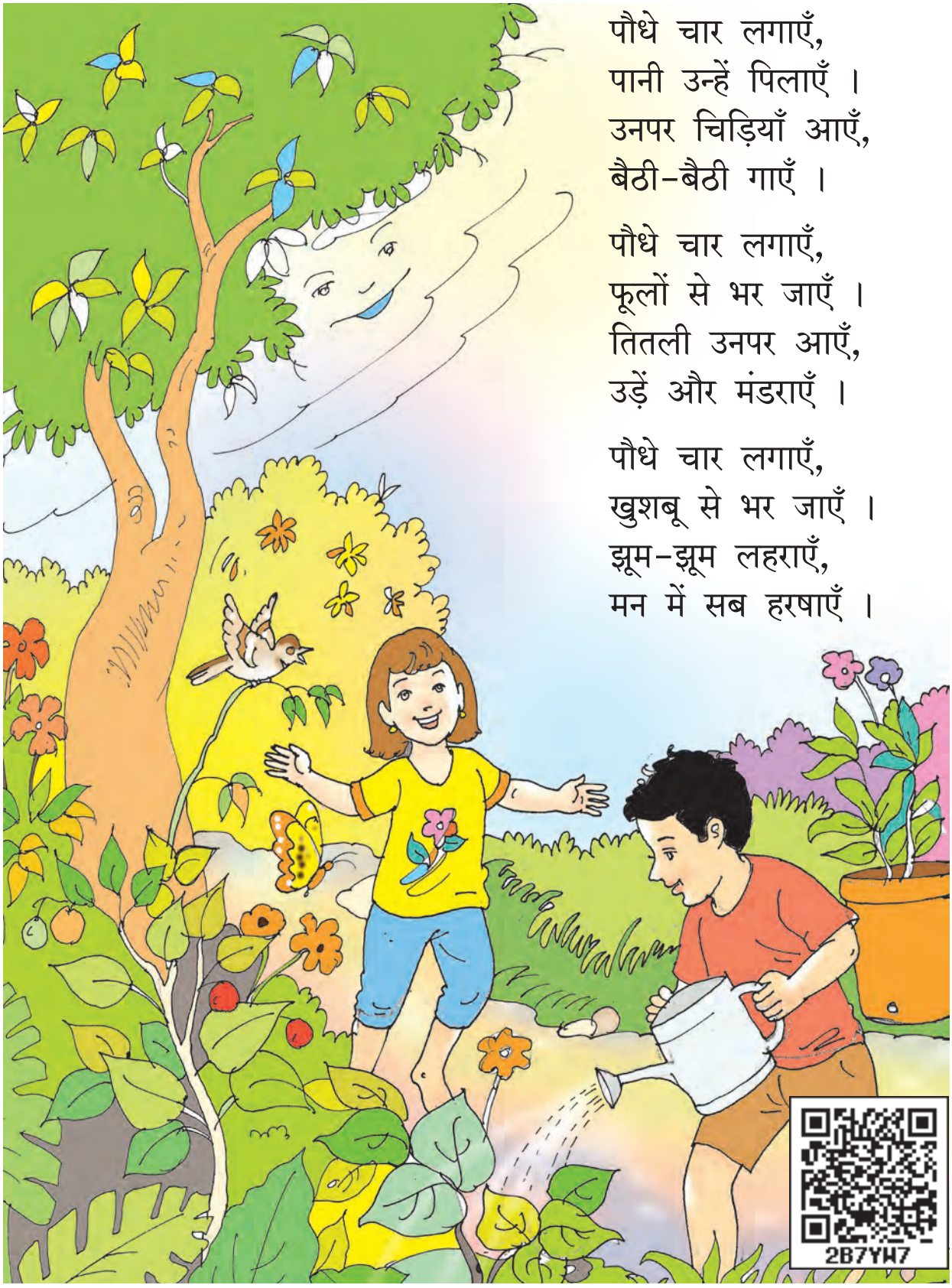

पौधे चार लगाएँ,
पानी उन्हें पिलाएँ ।
उनपर चिड़ियाँ आएँ,
बैठी-बैठी गाएँ ।

पौधे चार लगाएँ,
फूलों से भर जाएँ ।
तितली उनपर आएँ,
उड़ें और मंडराएँ ।

पौधे चार लगाएँ,
खुशबू से भर जाएँ ।
झूम-झूम लहराएँ,
मन में सब हरषाएँ ।

२. पैसे

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

यमुना गायन थकान साथ मिसळ मलयाळम एकांत आएगा ऐरावत ऐब
सिक्का चिल्लर चूड़ियाँ बिंदी ए टी एम गुल्लक थैली दुपट्टा नोट रुपया पगड़ी जूड़ा

खुशी और आनंद रोज बचत करते हैं ।

सामान खरीदने के लिए पैसा चाहिए ।
पैसा मेहनत करने से मिलता है ।
हम ए टी एम, बैंक से पैसे निकालते हैं ।
कृपया चिल्लर पैसे दीजिए ।
पैसे गिनकर लेन-देन करना चाहिए।
अपने गुल्लक में रोज पैसे जमा करो ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

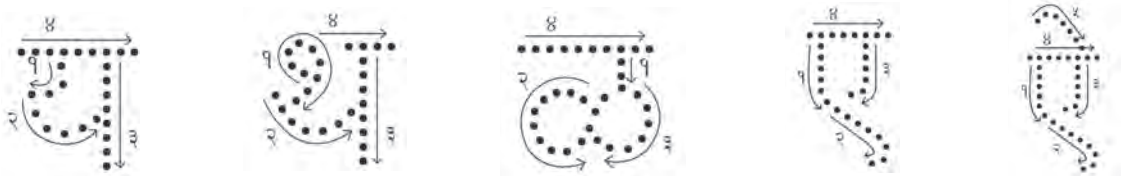

एॅ ऐॅ

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

य

थ

ळ

ए

ऐ

वाचन – पढ़ो :

नया थाली तनु जूता तेल कुलू बैल कृपया गाएगा तमिळ ऐबक

एकता थैला ला । आकृति, कोमल आ । चलते–चलते माया आई ।

कला ऐनक ला । जय–विजय आए । एकनाथ एक आम ले आ ।

लेखन – देखो, मिलाओ और चौखट में उचित संख्या लिखो :

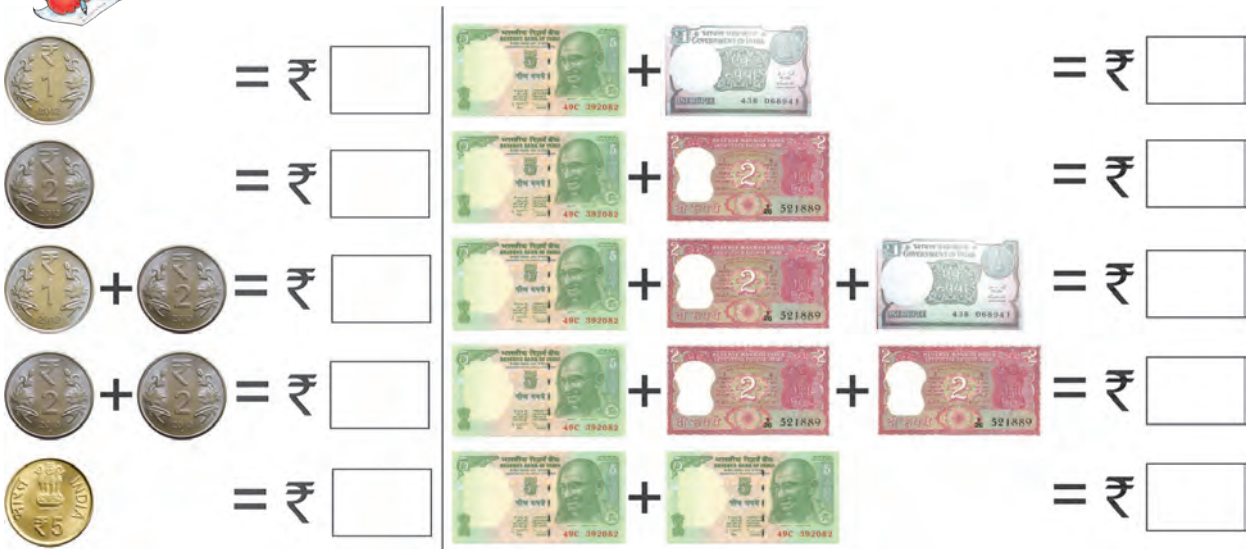

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : एॅ ऐॅ

ऐश एकल थैला तमिळ कैकेयी

३. रोबोट और आकार

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

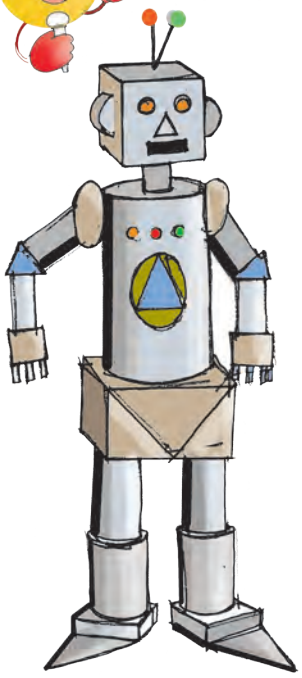

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

रमेश कैरम सपेरा पारस शेखर शक्कर आकाश खजाना चौखट ओर औसत
रोबोट आकार गोल चूड़ी आयत चौकोन समोसा बेलन आकाशदीप गुब्बारा आइसक्रीम

खुशी और आनंद रोबोट देखकर चर्चा कर रहे हैं ।

रोबोट एक यंत्रचलित मानव है ।
रोबोट अचूक काम करता है ।
यह रिमोट से चलता है ।
रोबोट बोलता भी है ।
रोबोट खेलता भी है ।
यह मनुष्य के काम कर सकता है ।
यह कम समय में अधिक काम करता है ।
यह मनुष्य की सूचना के अनुसार चलता है ।

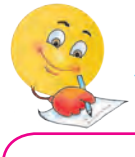

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

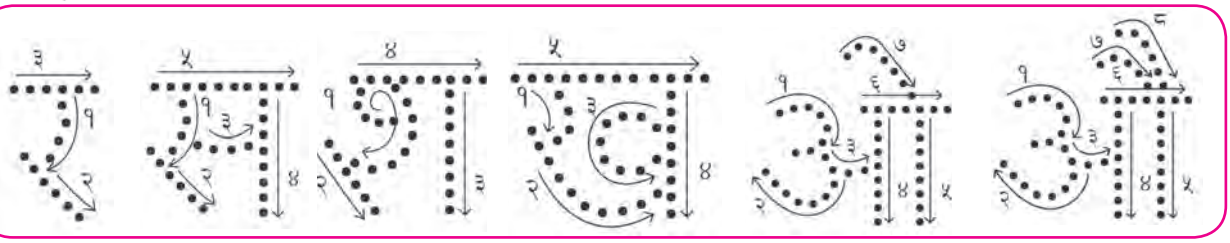

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : ओ ो औ ौ

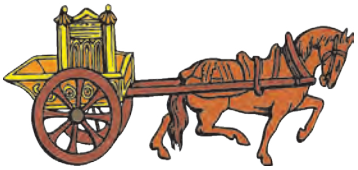

र

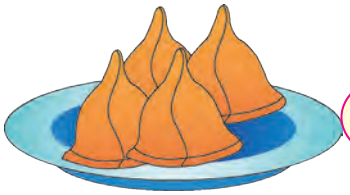

स

श

ख

ओ

औ

वाचन – पढ़ो :

ओस जैसे शोर औरत कृपाण सरौता खुशबू पिचकारी मातृभूमि

शुभम शोर मत कर । सौरभ सिलाई कर । खुशी खीरा खा ।

शीला सामने आ । शौनक सात लिखो । गौरी खेलने चल ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

रस्सी   ......

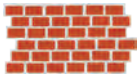

 आसन   ......

शहद रोशनी   ......

 अखबार   ......

ओस   ओढ़नी ......

 औसत छुआछुऔवल ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ओ ो औ ौ

और मातृ सुलू ओखली चौकोर

2BQQZH

५. झंडा

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

इडली झुंड दिराङ मङरू जोड़ कड़ाही कड़क झरना अंडा प्रातः सुअंब झंडा सलामी वृक्ष बैसाखी साड़ी वृद्ध पुरुष महिलाएँ आँगन चबूतरा दिव्यांग

आनंद और खुशी वृद्धाश्रम गए हैं ।

वृद्धाश्रम में वृद्ध लोग ही रहते हैं ।
वृद्धाश्रम पताकाओं से सजा है ।
फूलों से रंगोली बनाई गई है ।
ध्वजारोहण का कार्यक्रम मनाया जा रहा है ।
विद्यार्थी और शिक्षक भी आए हैं ।
सभी झंडे को सलामी दे रहे हैं ।
ध्वजारोहण में दिव्यांग भी शामिल हैं ।
वृद्धाश्रम का परिसर सुंदर है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

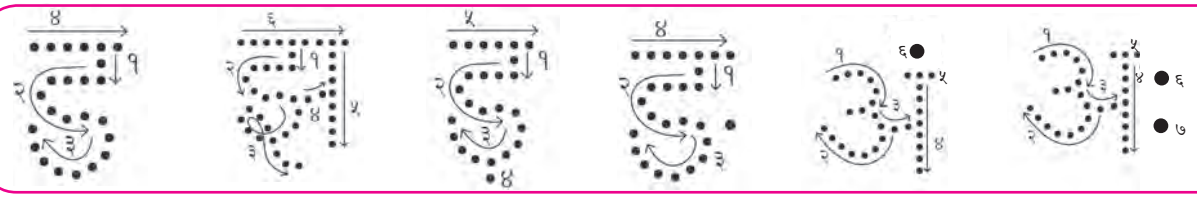

भाषण संभाषण– पहचानो और बोलो : अं ◌ं अः ◌ः

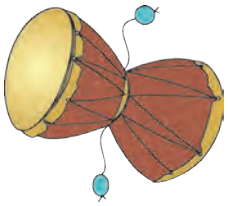

 ड

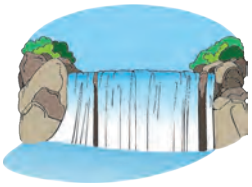

 झ

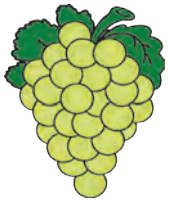

 अं

 ड़

ङ

 अः

वाचन– पढ़ो :

झेंप झुंड झूला डोली खंडवा तवाङ पापड़ झरना झिझक पगड़ी अंततः
डंका डौंडी डीलडौल पतङ्ग अङ्ग अतः पंच संत घंटी

संगीता कंगन रख । अंबर मंजन कर । पंकज पापड़ ला ।
अंगद डंडा पकड़ । संजय पंखा चला । सुनीति रंगोली में रंग भर ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

   डलिया ......

 जोड़ना   ......

झबला   ......

 कंदील जंजीर ......

 अंततः अतः ......

अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : अं ◌ं अः ◌ः

मंजिल रंगोली अंततः सुंदर बैरंग कौंतेय

2BZH25

वाक्य – पहचानो, सुनो और बताओ :

५. मेरी पहचान

मैं आँखों से देखती हूँ ।

मैं कानों से सुनती हूँ ।

मैं नाक से सूँघता हूँ ।

हमारे शरीर के अंग

मैं जीभ से स्वाद लेता हूँ ।

मैं हाथ से लिखती हूँ ।

मैं पैरों से चलता हूँ ।

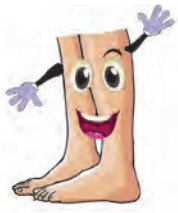

आकलन – जोड़ियाँ मिलाओ :

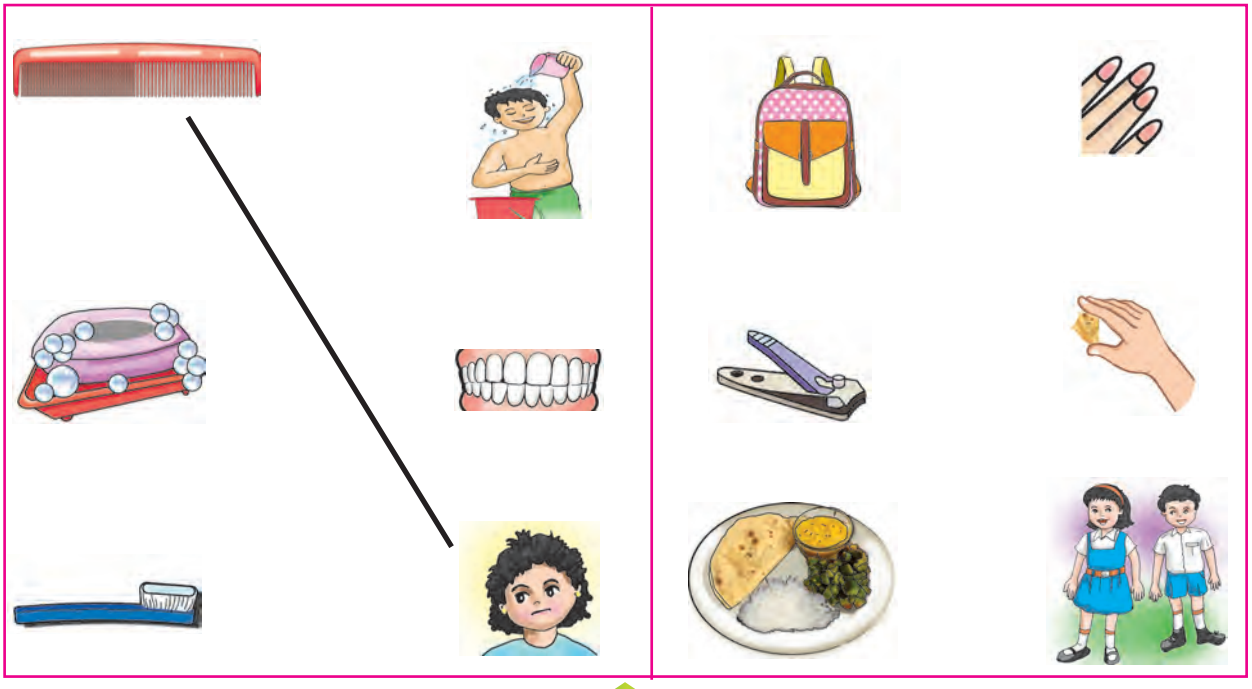

लयात्मक वाक्य– सुनो और दोहराओ :

प्रातः जल्दी उठते हम ।

दाँत साफ करते हम ।

सैर सपाटा करते हम ।

मलकर रोज नहाते हम ।

नित पाठशाला जाते हम ।

खेल–खेल में पढ़ते हम ।

मिलजुल खाना खाते हम ।

लौटकर, मौज मनाते हम ।

नित गृहकार्य करते हम ।

खा–पीकर सो जाते हम ।

2C9I3S

६. माँ

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

टमटम मटर ठठेरा पैठणी ढलान पंढरपुर बाढ़ पढ़ना चाँद दाढ़ आँगन झाड़ी रैकेट फुटबॉल सड़क दुकान साड़ी चोटी मंगलसूत्र विज्ञापन पहिया गेंद कार

यह खुशी और आनंद की माँ हैं ।

दोनों अपनी माँ से बहुत प्यार करते हैं ।
दोनों माँ के साथ बाजार गए थे ।
आनंद ने बाजार से बॉल खरीदा ।
खुशी ने रैकेट खरीदी ।
दोनों खिलौने पाकर खुश हैं ।
बाजार अनेक वस्तुओं से सजा था ।
तीनों पैदल घर की ओर चल पड़े ।
माँ ने खुशी का हाथ पकड़ा था ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

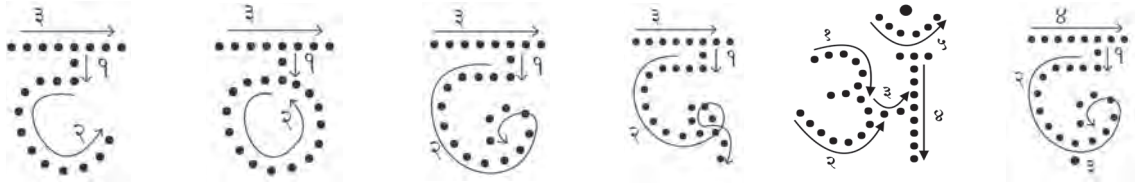

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : अँ ँ

ट	ठ	ढ
द	अँ	ढ़

वाचन – पढ़ो :

ठाट ढलान टेढ़ा मैथिली सुदूर ठंडा यामिनी अँगड़ाई चाँद भौगोलिक

चाँदनी चमचा उठा । दृष्टि टमाटर ला । टोकरी में टमाटर रख ।
आँचल दाँत साफ कर । ढोल ढमढम बजा । पूजा पराँठा बना ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

टहनी			......		बादल		......
	गठरी	ढ	......	पढ़		गढ़	......
		ढमाढम	......		लहँगा		......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : अँ ँ

ढेर पौढ़ना दैनिक जुहार अँगुलियाँ

2CIE5F

७. हॉकी

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

घटना मेघना धवल सुगंध छलाँग पूँछ हरमीत नैहर ऑन ऑटो कॉपी बैडमिंटन चिड़िया खिलाड़ी कैरम कबड्डी हॉकी गेंद लड़के लड़कियाँ समूह दर्शक

खुशी और आनंद को खेल पसंद हैं ।

मैदान पर कबड्डी का खेल जारी है ।
दर्शक खेल देख रहे हैं ।
कैरम घर में खेला जाने वाला खेल है ।
कुछ बच्चे हॉकी खेल रहे हैं ।
जॉन और नरगिस कैरम खेल रहे हैं ।
रानी और हर्ष कैरम का खेल देख रहे हैं ।
हॉकी और कबड्डी मैदानी खेल हैं ।
रिंकी कबड्डी-कबड्डी बोल रही है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

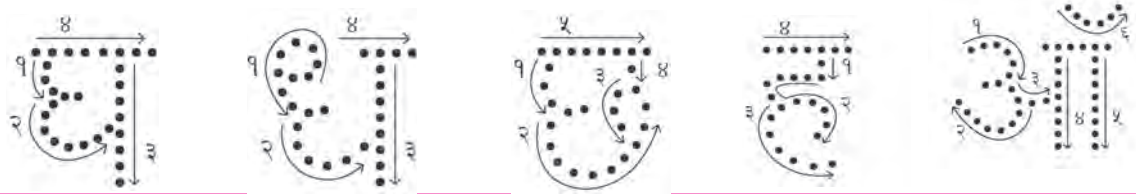

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : ऑ ॅ

घ

+

ध

छ

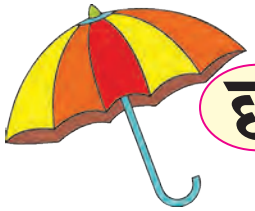

ह

ऑ

वाचन – पढ़ो :

पुनःऑटो दौड़ो वैदेही धनिया कुलाँच दुरूह घूँघट छिपकली हलवाई

आरुषि गिलहरी देख ।
महक चॉकलेट मत खा ।
रौनक ऑटो से उतर ।
अदिति ऑफिस गई ।

धीरज हलवाई की दुकान से हलवा ला।
छगन हलचल मत कर।
नूपुर घुड़दौड़ देखकर लौट ।
कॉलोनी में सब मिलजुलकर रहते हैं ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

 घुँघरु   ......

धतूरा   ......

ऑफिस   ऑक्सीजन ......

 महल १२ ......

छड़ी   ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ऑ ॅ

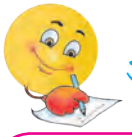

घरौंदा आँगन खिचड़ी सुबह नौरोज

2CSA73

८. श्रमदान

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

अक्षर क्षति पात्र क्षेत्र सर्वज्ञ अज्ञेय मिश्रण श्रोता नक्षत्र जयश्री यात्रा श्रेय ज्ञानोदय दक्षिण झाड़ू वृक्ष कुत्ता पगड़ी स्वच्छता खिड़की दरवाजा औरत आदमी छत पत्थर गाय कपड़े

गाँव में स्वच्छता के लिए खुशी और आनंद आए हुए हैं ।

खुशी कूड़ा ले रही है ।
आनंद झाड़ू लगा रहा है ।
बच्चे कूड़ेदान में कचरा डाल रहे हैं ।
स्वच्छ गाँव–निर्मल गाँव ।
लोग श्रमदान कर रहे हैं ।
श्रमदान श्रेष्ठदान है ।
गाँव प्रदूषण मुक्त करें ।
गाँव का विकास, देश का विकास ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

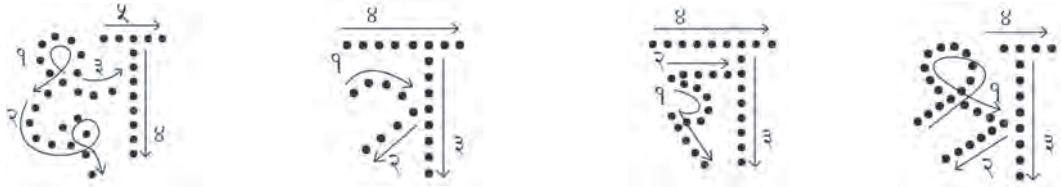

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

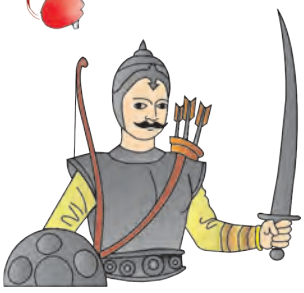

क्ष

त्र

ज्ञ

श्र

वाचन – पढ़ो :

मित्र क्षेत्र मैत्री श्रम श्रोता श्रीमान त्रिजटा अज्ञेय ज्ञानेश वैज्ञानिक
पक्षी दीक्षा मिश्रित श्री मैत्रेयी अक्षय त्रिवेणी श्रावणी नौरात्रि भिक्षुक

सादा जीवन, ऊँचे विचार ।
लड़का–लड़की एक समान ।
नेत्र दान, श्रेष्ठ दान ।
साइकिल चलाओ, ईंधन बचाओ ।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।
अपनी रक्षा अपने आप ।
साक्षर परिवार, सुखी परिवार ।
जय जवान, जय किसान ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

ज्ञानेश्वर   ......

मिश्रण ......

क्षयरोग रक्षक

......

१७ त्रिनेत्र मित्र ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :

अक्षय त्रिवेणी श्रावणी नौरात्रि भिक्षुक

2026BQ

कृति – सुनो, समझो और करो :

९. कागज की थैली

कागज	रंग–बिरंगी पेंसिलें	गोंद	रस्सी	रंग–बिरंगे बटन
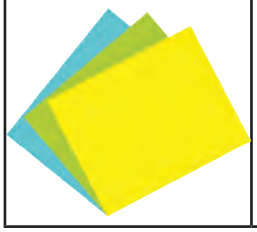			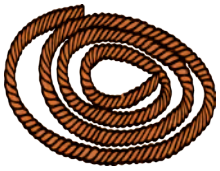	

घरेलू अनुपयोगी चीजों से कागज की थैली तैयार करना ।

सामग्री : **कागज, रंग– बिरंगी पेंसिलें, गोंद, रस्सी, रंग–बिरंगे बटन, टोचा/सूजा**

कृति :

१. अपनी रुचि के आकार का कागज लो ।

२. कागज को बीच से मोड़ो ।

३. कागज को ऊपर–नीचे से थोड़ा–थोड़ा मोड़ो ।

४. कागज के ऊपर–नीचे मोड़े हुए भाग को गोंद से चिपकाओ ।

५. बड़ों की सहायता से अब कागज के खुले भाग में छेद करो । (टोचे की सहायता से)

६. छेद में रस्सी डालकर अंदर की ओर गाँठ बाँधो ।

७. अब सजावट के लिए चारों कोनों तथा बीच में बटन चिपकाओ ।

८. तैयार कागज की थैली पर सामने के भाग में अपना नाम लिखो ।

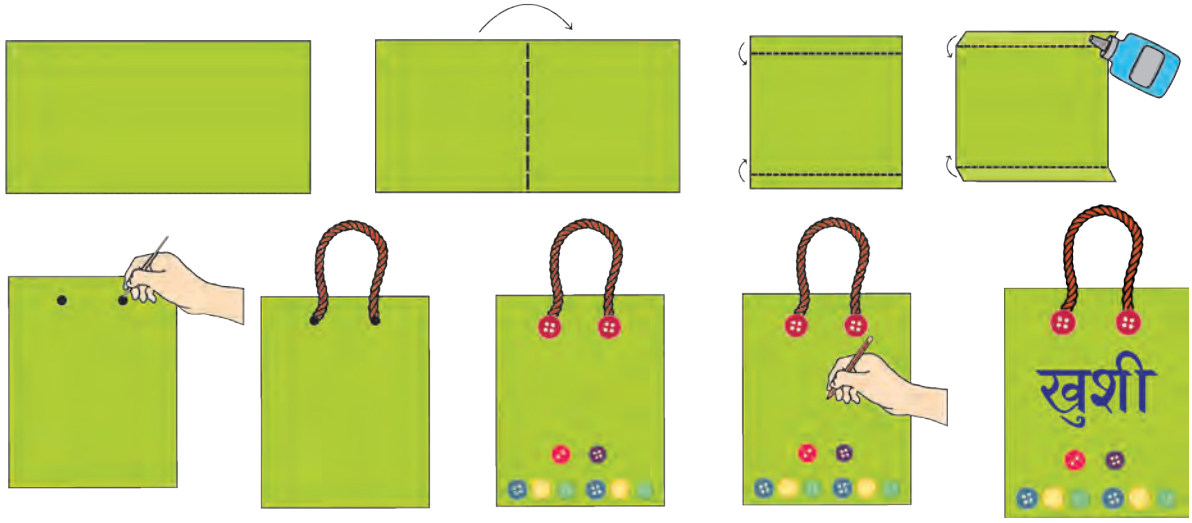

❋ अभ्यास–३

कृति– रिक्त स्थान भरो :

अ			ई			ऋ
ए		ओ				अँ / ऑ
x	क				ङ	x
x	x	च				ञ

ट						ढ़
x	त				न	x
x	प		ब		म	x
x	x	य			व	x

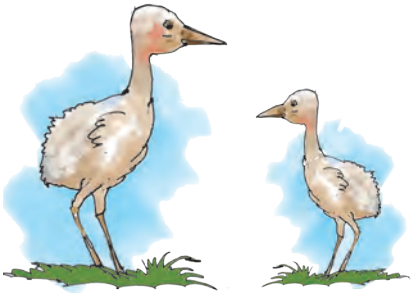

x	श				ळ	x
x	x	क्ष			श्र	x

लेखन– वर्णमाला क्रम से लिखो :

खरगोश, अपने बिल तक कैसे पहुँचेगा, उसे उँगली से दिखाओ :

* पुनरावर्तन –१

१. सुनो और बार–बार बोलो :

(१) कच्चा पापड़ –पक्का पापड़ ।
(२) चाचा ने चाची को चाँदी की चम्मच से चटनी चटाई ।
(३) खड़कसिंह के खड़कने से खड़कती हैं खिड़कियाँ । खिड़कियों के खड़कने से खड़कता है खड़कसिंह ।
(४) समझ–समझ के समझ को समझो, समझ समझना भी एक समझ है । समझ, समझ के भी जो न समझे, मेरी समझ में वह नासमझ है ।

२. बताओ :

(१) तुम्हारे पिता जी क्या करते हैं ?
(२) हमें पानी की बचत क्यों करनी चाहिए ?
(३) फल कहाँ लगते हैं ?
(४) तुम पढ़ाई कब करते हो ?
(५) तुम पाठशाला कैसे जाते हो ?

३. शब्द पढ़ो :

अब तब तन मन कनक भनक नयन चयन झटपट नटखट एकदम
गपशप अनशन सरगम शलगम बचपन खटमल सरपट अकबर जबतक
जगमग पचपन मखमल कटहल डगमग अचरज क्षणभर धड़कन अजगर

४. चित्र देखकर उनके नाम लिखो :

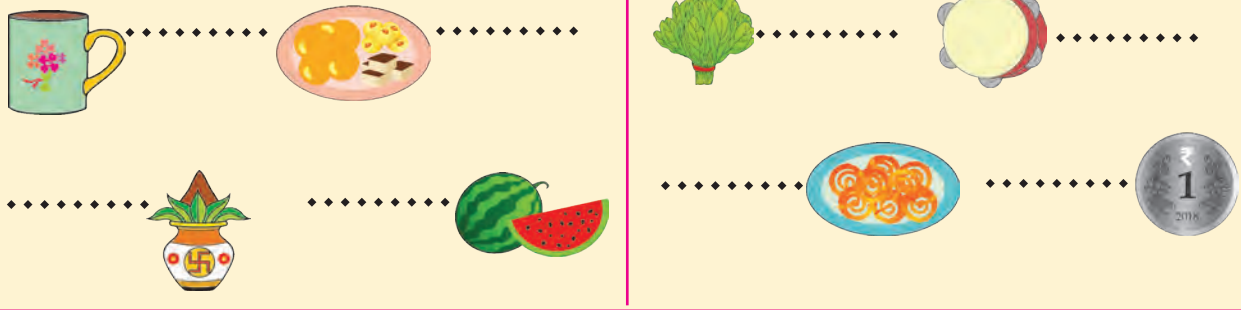

• **श्रुतलेखन :**

पचपन मखमल कटहल अदरक खटमल डगमग आगमन आचमन
अचकन अचरज अनपढ़ धड़कन अजगर क्षणभर रखकर भगवान

• **उपक्रम :** अपनी पसंद के विभिन्न चित्र एकत्र करके प्रदर्शनी फलक पर चिपकाओ ।

पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

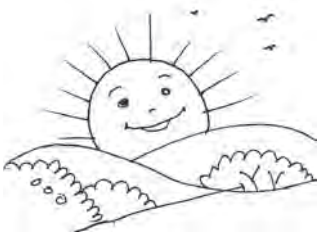

* सप्ताह के दिन

– *राजदेव बी. यादव*

हँसते–हँसते सोमवार से
सप्ताह शुरू कर जाएँगे ।

मंगलवार को खेल–खेल में
सभी काम कर पाएँगे ।

बुधवार को बड़ी सुबह ही
पौधों को नीर पिलाएँगे ।

गुरु की महिमा गुरुवार को
सब को प्रणाम कर आएँगे ।

खेल–कूद और योग करेंगे
दिन शुक्रवार मनाएँगे ।

आधा दिन है शनिवार को
माँ का हाथ बटाएँगे ।

रविवार तो छुट्टी लाया
मिलकर धूम मचाएँगे ।

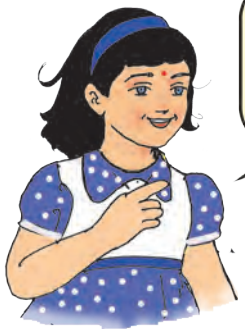

चित्रवाचन– देखो, समझो और बताओ :

१. मेला